an>

Title: Need to declare Shrawasti district of Uttar Pradesh as a place of tourist importance.

श्री दहन मिश्रा (श्रावस्ती) : अध्यक्ष जी, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी बात यहां रखने का अवसर प्रदान किया।

महोदया, मेरे संसदीय क्षेत्र का श्रावस्ती जिला कल तक उत्तर प्रदेश के बहराईच जिले का एक भाग रहा है। आज एक अलग जिले के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने वाला यह नगर प्राचीन व ऐतिहासिक महत्व का है। यह पर्यटकों के आकर्षण का एक अत्यंत समृद्ध क्षेत्र हो सकता है, परंतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार इस क्षेत्र की भौगोलिक व ऐतिहासिक अहमियत को संभवतः रेखांकित ही नहीं करना चाहती। प्रकृति के धरोहर इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की टूटी-फूटी सड़कें, यातायात संबंधी दुर्व्यवस्थाएं तथा शासन व प्रशासन द्वारा की जा रही इस क्षेत्र की उपेक्षा इस इलाके को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर लाने नहीं दे रही हैं। श्रावस्ती में स्थिति साहेट नामक क्षेत्र में भगवान बुद्ध द्वारा चार चातुर्मास, लगभग 24 वर्षों तक का लंबा समय बिताए जाने के कई ऐतिहासिक प्रमाण हैं। इस क्षेत्र का उल्लेख रामायण तथा महाभारत में भी मौजूद है, क्योंकि श्रावस्ती भगवान राम के पुत्र कुश की राजधानी भी रही है। पौराणिक काल में श्रावस्त नामक एक राजा द्वारा इस नगर का निर्माण कराया गया था, जिसके नाम से इस जिले का नाम अब श्रावस्ती हो गया है। यहां कई प्रवेश द्वारों के अवशेष साफ देखे जा सकते हैं। इनमें कई मुख्य द्वारों के नाम हैं - इमली दरवाज़ा, राजगढ़ दरवाज़ा, नौसहरा दरवाज़ा तथा कादंबरी दरवाज़ा। यहां बुद्ध व जैन भवनों के कई प्राचीन अवशेष तो मिले ही हैं, साथ-साथ यहां मध्यकालीन मक़बरों के भी कई अवशेष प्रकट हुए हैं।

अतः सदन के माध्यम से मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि श्रावस्ती जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं की उपलब्धता को देखते हुए इसे राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय मानचित्र में स्थापित करते हुए प्रमुख पर्यटन स्थल घोषित किया जाए तथा इसके सर्वांगीण विकास हेतु कार्य योजना तैयार कर बजट में इसके लिए आवश्यक धनराशि आवंटित की जाए।